New Telephone Connections in Kottayam District

1707. SHRI JOY NADUKKARA: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) the number of telephone exchanges in Kerala in which expansion work is going on at present;

(b) the number of new telephone connections in Kottayam district, Kerala likely to be released during 1996-97; and

(c) the present position of the expansion work at Marangattupilly, Monipally, Kuravilangadu, Kidangoor, Kozhuvanal, Mangoor and Bharananganam exchanges in Kottayam district and by when it is expected to be completed?

THE MINSTER OF COMMUNICATION (SHRI BENI PRASAD VERMA): (a) At present, there are 99 exchanges where the expansion work is going on in Kerala.

(b) About 22,000 telephone connections are likely to be provided in Kottayam District during 1996-97.

(c) The present position of expansion work at these places is as per Statement.

Statement

The Present position of expansion work of various exchanges in Kottayam District (Kerala):

1. Narangallipilly:

There is no place by the name-Narangallipilly, in Kottayam. It is presumed to be-Marangattupally,

Marangattupally:

—1000 lines expansion.

—expected to be completed during 3rd quarter of 1996-97.

2. Monippally:

—1000 lines expansion.

—expected to be completed during 1997-98.

3. Kuravilangadu:

—1200 lines expansion.

—expected to be completed during 2nd quarter of 1996-97.

4. Kidangoor.

—1000 lines expansion.

—expected to be completed during 1996-97.

5. Kozhuvanal:

—384 lines expansion.

—expected to be completed during 2nd quarter of 1996-97.

6. Mangoor:

—This place falls under the area of Kuruppanthara where 1200 lines exchange will be commissioned during 2nd quarter of 1996-97.

7. Bharananganam:

—1500 lines expansion.

—expected to be completed during 1997-98.

NTC Mills in Gujarat

1708. SHRIMATI ANANDIBEN JETHABHAI PATEL: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government run NTC mills in Gujarat will be closed due to shortage of funds;

(b) whether it is a fact that Government are not granting funds from revolving fund;

(c) the action taken by Government to safeguard of NTC mills and mill workers in Gujarat, particularly in Ahmedabad; and

(d) whether Government have any scheme to reopen closed mills and to give financial help to sick NTC mills in Ahmedabad?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI R.L. JALAPPA): (a) to (d) Due to obsolete machinery, excess man-power and acute shortage of working capital, the mills under NTC in Gujarat have been incurring losses and are facing par-

tial/total cessation of activities. The net worth of the mills under NTC (Gujarat) having become negative, the NTC (Gujarat) have been referred to the BIFR which has declared it to be a sick industrial company. Government have formulated a revised Turn Around Plan for the mills of NTC (Gujarat) which envisages modernisation of six mills at an investment of Rs.158.25 crores and also restructuring of five remaining unviable mills into three viable units. The funds for modernisation will be raised from sale of surplus lands and assets of NTC mills. The revised modernisation plan has been palced before the BIFR for their approval. Meanwhile to avoid hardhsip to the workers/employees of the NTC mills, Government are meeting the shortfall faced by NTC mills in payment of wages, salaries and bounus.

भारत की निवेश संवर्धन नीति को प्रचारित किया जाना

1709. **श्री अजीत जोगी:** क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या अन्य देशों की तुलना में भारत में निवेश करने के लाभों के बारे में जानकारी देने के लिए सरकार ने कोई निवेश संवर्धन नीति तैयार करके उसे विदेशों में प्रचारित किया है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

विदेश मंत्री (श्री इन्द्र कुमार गुजराल): (क) और (ख) जी हां। सरकार भारत में विदेशी निवेशकों को उपलब्ध तुलनात्मक लाभों और प्रोत्साहनों से सम्बद्ध सूचना देकर विदेशों में सम्भावित निवेशकों के बीच भारत की आर्थिक छवि को उजागर करने तथा भारत में निवेश के लाभों को उजागर करने पर विशेष ध्यान देती ही है। इन कदमों में निम्नलिखित शामिल हैं:—

(i) भारत में व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी अन्तरण के संवर्द्धन के लिए विदेश स्थित हमारे मिशनों द्वारा किये जा रहे कार्यकलाप, निम्नलिखित उद्देश्यों से किये जा रहे व्यापक और समन्वित प्रयास इनके अन्तर्गत आते हैं:— व्यापार और निवेशकों के प्रश्नों का उत्तर देना, सरकार द्वारा किये जा रहे आर्थिक उदारीकरण उपायों के परिप्रेक्ष्य में उपलब्ध अवसरों से सम्बद्ध सूचना का यथा सम्भव व्यापक प्रचार करना; संयुक्त उद्यमों के जरिये निवेश और प्रौद्योगिकी सम्बन्धों की स्थापना के बारे में सेवाएं देना और उन्हें आगे बढ़ाना तथा उन्हें मानीटर करना।

(ii) समेकित सीधा पैकेज तैयार करना ताकि हमारे मिशन संभावित निवेशकों को प्रभावी ढंग से और कुशलता पूर्वक सूचना दे सकें। इस पैकेज में "भारत में उपलब्ध निवेश अवसर", "भारत का व्यापारिक परिदृश्य" भारत में उपलब्ध अवसर" जैसी व्यापक विषयों पर विभिन्न प्रकार की पुस्तिकाएं शामिल हैं जो महत्वपूर्ण तथा आधारभूत क्षेत्रों से संबंधित हैं; इसमें "भारत में व्यापार करना" पर एक फलापी डिस्क तथा "भारतः नये अवसरों का देश" नामक विषय पर वीडियो कैसेट भी शामिल है। ये सभी उपलब्ध अवसरों, लागू नियमों और विनियमों, आर्थिक नीतियों, निवेश कार्यविधियों, आवेदन पत्रों, मुख्य कार्यालयों की निदेशिका आदि के बारे में विस्तृत तथा अद्यतन सूचना उपलब्ध कराते हैं।

(iii) परस्पर कार्य-कलाप प्रक्रिया की स्थापना जिसके अन्तर्गत मिशनों और केन्द्रों को आर्थिक परिवर्तनों के बारे में नियमित आधार पर अद्यतन सूचना उपलब्ध करायी जाती है। निवेशकर्ताओं की प्रतिक्रिया, आर्थिक सुधारों के प्रति अन्तर्राष्ट्रीय व्यापारिक समुदाय की प्रतिक्रिया तथा क्षेत्रीय मंडी सर्वेक्षण के आधार पर मिशनों द्वारा नियमित सूचना दी जाती है। मिशन व्यापार मेलों, प्रदर्शनियों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, सम्मेलन तथा द्विपक्षीय विचार-विनिमय का आयोजन करते हैं और उसमें भाग लेते हैं ताकि व्यापार और निवेश के लक्ष्यों की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त किया जा सके।

(iv) हमारे निवेश संवर्द्धन प्रयासों के दृष्टिकोण से स्रोत देशों का पता लगाना और सरकार, फिक्की, सी॰आई॰आई॰, एसोचेम आदि जैसे शीर्षस्थ संगठनों के प्रतिनिधियों तथा गैर सरकारी उद्योगों के प्रतिनिधियों की सहभागिता से "रोड शो", संगोष्ठियों आदि का आयोजन।

(v) अन्तर्राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में विशिष्ट विशेषांक निकालना जिनमें भारत में निवेश करने के तुलनात्मक लाभों को उजागर किया जाता है।